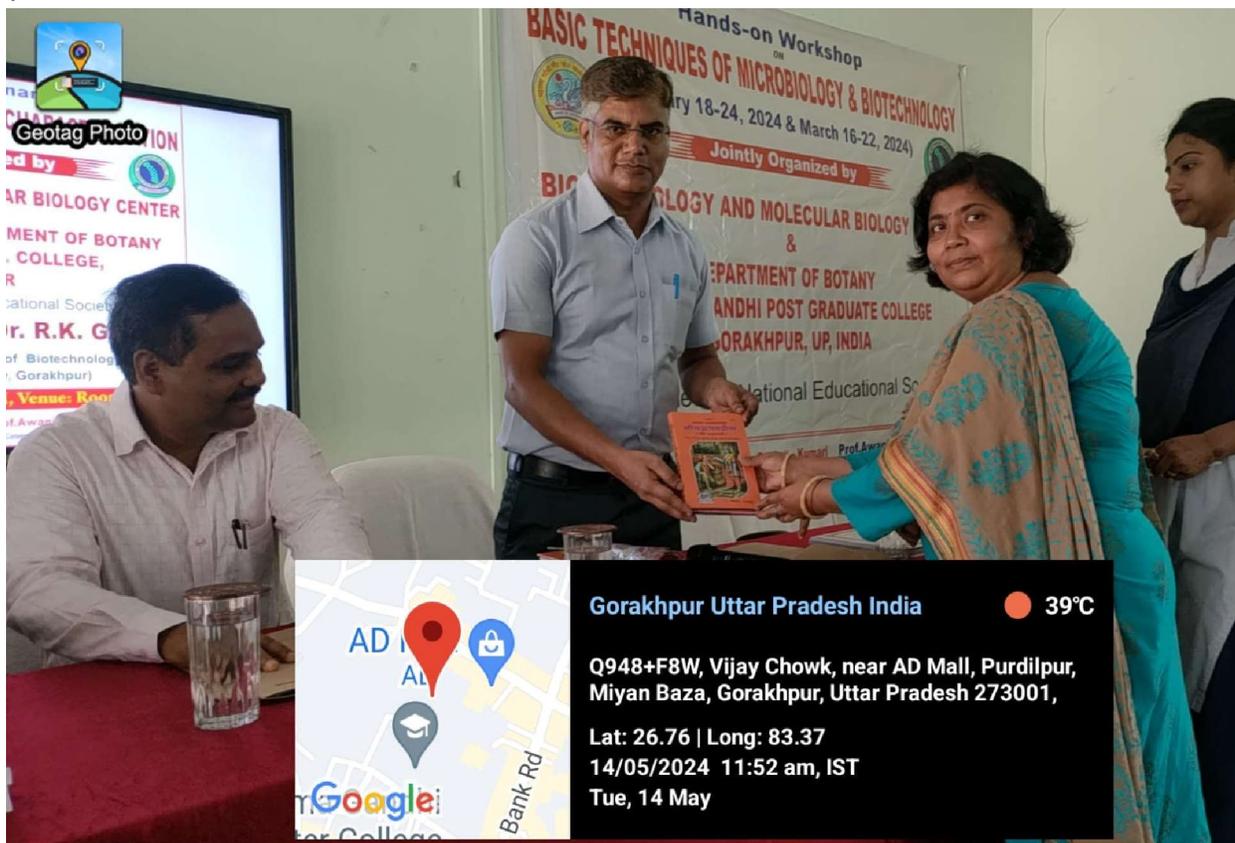


## एक दिवसीय व्याख्यान

14 मई 2024 को महात्मा गांधी परास्नातक कालेज गोरखपुर के बाटेनिकल सोसाइटी एवम जैव प्रौद्योगिकी और आण्विक जीवविज्ञान केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में प्रो राजर्षि कुमार गौड़, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा "एडवांसमेंट इन प्लांट वायरस करैक्ट्राइजेशन" विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती पूजन के साथ की गई। कार्यक्रम संयोजक सचिव डा अनीता कुमारी ने वैज्ञानिक प्रो राजर्षि कुमार गौड़ का शोधकार्य का संक्षिप्त विवरण दिया। प्रो गौड़ ने व्याख्यान में वायरस की पहचान के विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही यह भी बताया कि वायरस पोथो की किस प्रकार संक्रामित कर सकता है। संक्रामित पोथो से वायरस सैंपल इकठ्ठा करने की विधियां के बारे में भी बताया। व्याख्यान के पश्चात बायोटेक्नोलॉजी एवम माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीक विषय पर जनवरी 18-24, 2024 एवम मार्च 16 - 22, 2024 में आयोजित कार्यशाला के सफल आयोजन के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सेंटर के लिए निदेशक डॉ एस के प्रभुजी ने बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान समय में आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी तथा बी० एस-सी० बायोटेक्नोलॉजी कोर्स शुरू करने की मांग की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो अनिल कुमार सिंह ने छात्र एवम छात्राओं को ऐसे ज्ञानवर्धन सेमिनार में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जिससे उनका समग्र विकास हो सके। धन्यवाद ज्ञापन प्रो अनीता कुमारी द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान के डॉ आलोक रंजन, डॉ मधुलिका, डॉ क्षमता, डॉ गौरव, डॉ शुभम एवम बड़ी संख्या छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की।













# एमजी में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

गोरखपुर 14 मई महात्मा गांधी पी जी कालेज के बायोटैकनोलॉजी एवम जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीवविज्ञान केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो राजर्षि कुमार गौड़, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा

एडवांसमेंट इन प्लांट वायरस करैक्टराइजेशन विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मॉ सरस्वती पूजन के साथ की गई। कार्यक्रम संयोजक सचिव डा अनीता कुमारी ने वैज्ञानिक प्रो राजर्षि कुमार गौड़ का शोधकार्य का सौभाग्य निवेदन किया। प्रो गौड़ ने व्याख्यान में वायरस की पहचान के

विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही यह भी बताया कि वायरस पौधों को किस प्रकार संक्रामित कर सकता है। संक्रामित पौधों से वायरस

गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सेंटर के लिए निदेशक डॉ एस के प्रभुजी ने बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान समय में आवश्यकता के बारे में विस्तृत



सैंपल इकठ्ठा करने की विधियों के बारे में भी बताया। व्याख्यान के पश्चात बायोटेक्नोलॉजी एवम माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीक विषय पर जनवरी 18 से 24, 2024 एवं मार्च 16 से 22, 2024 में आयोजित कार्यशाला के सफल आयोजन के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया

गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सेंटर के लिए निदेशक डॉ एस के प्रभुजी ने बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान समय में आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बी० एस - सी० बायोटेक्नोलॉजी कोर्स शुरू करने की मांग की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो अनिल कुमार सिंह ने छात्र एवम छात्राओं को ऐसे ज्ञानवर्धन सेमिनार में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जिससे उनका समग्र विकास हो सके। धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरुणेश द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान के डॉ आलोक रंजन, डॉ मधुलिका, डॉ क्षमता, डॉ गौरव, डॉ शुभम एवम बड़ी संख्या छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की।

Swatantra...  
:hetnanews.com

## एडवांसमेंट इन प्लांट वायरस विषय पर संगोष्ठी आयोजित

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर महात्मा गांधी पी जी कालेज के बायोटैकनोलॉजी एवम जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीवविज्ञान केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

जिसमें मुख्य अतिथि प्रो राजर्षि कुमार गौड़, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा एडवांसमेंट इन प्लांट वायरस करैक्टराइजेशन विषय पर व्याख्यान दिया गया। प्रो राजर्षि गौड़ ने व्याख्यान में वायरस की पहचान के विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही यह भी बताया कि वायरस पौधों को किस प्रकार संक्रामित कर सकता है। संक्रामित पौधों से वायरस सैंपल इकठ्ठा करने की विधियां के बारे में भी बताया। व्याख्यान के पश्चात बायोटेक्नोलॉजी एवम माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीक विषय पर जनवरी 18 से 24 एवं मार्च 16 से 22 में आयोजित कार्यशाला के सफल आयोजन के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सेंटर के लिए निदेशक डॉ एस के प्रभुजी ने बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान समय में आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बी० एस - सी० बायोटेक्नोलॉजी कोर्स शुरू करने की मांग की।

# विद्यार्थियों ने जानी वायरस के पहचान की तकनीक

गोरखपुर : महात्मा गांधी पीजी कालेज के बायोटैकनोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीवविज्ञान केंद्र की ओर से मंगलवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. राजर्षि कुमार गौर ने विद्यार्थियों को वायरस की पहचान की नई तकनीक की जानकारी दी। साथ ही बताया कि वायरस पौधों को किस प्रकार संक्रामित कर सकता है।

व्याख्यान के बाद बायोटेक्नोलॉजी

एवं माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीक विषय पर जनवरी और मार्च में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। केंद्र के निदेशक डा. एसके प्रभुजी ने बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान समय में आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बीएससी बायोटेक्नोलॉजी कोर्स शुरू करने की मांग की। अध्यक्षीय उद्बोधन प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह ने दिया। कार्यक्रम संयोजक सचिव डा. अनीता कुमारी रहीं। आभार ज्ञापन प्रो. अरुणेश ने किया। (विज्ञप्ति)

# वायरस की पहचान और पौधों को संक्रमित करने की विधियों से रूबरू हुए विद्यार्थी



## » प्रखर विकास

गोरखपुर। महात्मा गांधी पी जी कालेज, गोरखपुर के बाटेनिकल सोसाइटी एवम जैव प्रौद्योगिकी और आण्विक जीवविज्ञान केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. राजर्षि कुमार गौड़, जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा एडवांसमेंट इन प्लांट वायरस करैक्टरीजेशन विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती पूजन के साथ की गई। कार्यक्रम संयोजक सचिव डा.

अनीता कुमारी ने वैज्ञानिक प्रो. राजर्षि कुमार गौड़ का शोधकार्य का संक्षिप्त विवरण दिया। प्रो. गौड़ ने व्याख्यान में वायरस की पहचान के विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही यह भी बताया कि वायरस पौधों को किस प्रकार संक्रमित कर सकता है। संक्रमित पौधों से वायरस सैपल इकठ्ठा करने की विधियों के बारे में भी बताया। व्याख्यान के पश्चात बायोटेक्नोलॉजी एवम माइक्रोबायोलॉजिकल तकनीक विषय पर जनवरी 18 से 24, 2024 एवं मार्च 16 से 22, 2024 में आयोजित कार्यशाला के सफल आयोजन के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। उक्त अवसर

पर उपस्थित सेंटर के लिए निदेशक डॉ. एस के प्रभुजी ने बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान समय में आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बी० एस-सी० बायोटेक्नोलॉजी कोर्स शुरू करने की मांग की। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिंह ने छात्र एवम छात्राओं को ऐसे ज्ञानवर्धन सेमिनार में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जिससे उनका समग्र विकास हो सके। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अरुणेश द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान के डॉ. आलोक रंजन, डॉ. मधुलिका, डॉ. क्षमता, डॉ. गौरव, डॉ. शुभम एवम बड़ी संख्या छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की।

# वेविध

लखनऊ  
बुधवार 15 मई 2024

# 6